गद्य धारा

सम्पादक

डॉ. राजेन्द्र पोवार

हिन्दी अध्ययन मंडल सदस्य

डॉ. राजेन्द्र पोवार
अध्यक्ष : हिन्दी विभाग
आरपीडी कला तथा वाणिज्य महाविद्यालय, बेळगावी

प्रो. सी. मदन मोहन रेड्डी
असोसिएट प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
विवेकानन्द स्नातक महाविद्यालय
बेंगळुरु (कर्नाटक)

गद्य धारा

[रानी चन्नम्मा विश्वविद्यालय, बेळगावी (कर्नाटक) के नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुसार
बी.ए. हिन्दी तृतीय सत्र के लिए पठित पुस्तक]

B.A. Third Semester (Discipline Specific Course)
Optional

सम्पादक

डॉ. राजेन्द्र पोवार

हिन्दी विभागाध्यक्ष
आरपीडी कला तथा वाणिज्य महाविद्यालय, बेळगावी (कर्नाटक)

सहयोगी सम्पादक

डॉ. जी.पी. साळे

अध्यक्ष हिन्दी विभाग, श्री शान्तवीर कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
बबलेश्वर, जि. विजयपुर

डॉ. श्रीकान्त बी. संगम

अध्यक्ष हिन्दी विभाग, सी.एस.बी. कला, एस.एम.आर.पी. विज्ञान एवं
जी.एल.आर. वाणिज्य महाविद्यालय, रामदुर्ग

डॉ. सुरेखा ए. बेळगली

अध्यक्षा हिन्दी विभाग, बी. शंकरानन्द कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, कुडची

प्रा. सुनीलकुमार यादव

अध्यक्ष हिन्दी विभाग, वीवीएस कला, वाणिज्य एवं बीसीए महाविद्यालय, विजयपुर

भूमिका प्रकाशन

दिल्ली-110 051

पहला संस्करण : 2021

© सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक
भूमिका प्रकाशन
जी-17, जगतपुरी, दिल्ली-110 051

मुद्रक
बी.के. ऑफसेट
नवीन शाहदरा, दिल्ली-110 032

मूल्य : ₹45

GADHYE DHARA
Edited by Dr. Rajendra Powar, Dr. G.P. Sale, Dr. Shrikant B. Sangam, Dr. Surekha A. Belgali, Pr. Sunilkumar Yadav

ISBN : 978-93-82193-48-7

क्रम

भूमिका		7
महादेवी वर्मा		**9**
जीने की कला	*निबन्ध*	12
नामवर सिंह		**18**
गपशप	*चर्चा* (ललित निबन्ध)	22
रामवृक्ष बेनीपुरी		**24**
सरयू भैया	*रेखाचित्र*	26
कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'		**30**
पहाड़ी रिक्शा	*रिपोर्ताज़*	32
विद्यानिवास मिश्र		**36**
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है	*निबन्ध*	38
सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'		**45**
बहता पानी निर्मला	*यात्रा वर्णन*	48
हरिशंकर परसाई		**53**
इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर	*व्यंग्य*	55
भक्तिकालीन कवियों के परिचय		
कबीरदास		64
सूरदास		67
तुलसीदास		70
जायसी		73
मीराबाई		76
रसखान		79

भूमिका

रानी चन्नम्मा विश्वविद्यालय बेळगावी कर्नाटक के बी.ए. हिन्दी तृतीय सत्र के लिए हिन्दी भाषा की पाठ्यपुस्तक गद्य धारा जो कि सीबीसीएस पाठ्यक्रम के अनुसार है, आपके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यन्त हर्ष हो रहा है।

प्रस्तुत संकलन में साहित्य की छह विधाओं की सात रचनाओं को संकलित किया गया है। ये सभी सात रचनाएँ हिन्दी के अप्रतिम साहित्यकारों क्रमशः महादेवी वर्मा, नामवर सिंह, रामवृक्ष बेनीपुरी, कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर, विद्यानिवास मिश्र, अज्ञेय और हरिशंकर परसाई जी की लेखनी से निकली हुई, हिन्दी साहित्य में विशेष स्थान रखती हैं। इन सभी सात रचनाओं के साथ हिन्दी के प्राचीन भक्तिधारा क़ाल के छह कवियों के परिचय भी इसमें संकलित हैं।

प्रस्तुत विधाओं से सम्बन्धित रचनाओं का चयन करते समय हमने वर्तमान परिवेश में पल्लवित विकसित होनेवाले छात्रों को केन्द्र में रखा है। हिन्दी विषय के तृतीय सत्र में अध्ययन करनेवाले छात्रों को अधिक-से-अधिक विधाओं का सामान्य परिचय हो यही हमारा उद्देश्य है। स्नातक स्तरीय छात्रों को साहित्य ग्रहण और सृजन करने के लिए उनकी बुद्धि और मन प्रेरित करें, इस बात की ओर हमने ध्यान दिया है, जीवन मूल्य, संस्कार और ज्ञान को छात्र सहजता से ग्रहण करें और गम्भीरता से स्वीकृत करें, यही इस संकलन की मंशा है। हमें पूर्ण विश्वास है कि यह संकलन छात्रों के व्यक्तित्व विकास में मौलिक भूमिका निभाएगा, साथ ही उनके हिन्दी ज्ञान को परिष्कृत भी करेगा।

बी.ए. हिन्दी तृतीय सत्र में अध्ययन करनेवाले छात्रों को गद्य साहित्य की प्रस्तुत सात विधाओं का समुचित परिचय तथा प्राचीन हिन्दी कवियों से सम्बन्धित जानकारी और व्याकरण ज्ञान का सद्भाव हो, इसी अवधारणा से यह 'गद्य धारा' पाठ्यपुस्तक तृतीय सत्र के लिए है। 'गद्य धारा' में रचनाओं का अनुक्रम, निर्धारित अवधि में अध्यापन कार्य सुचारू रूप से हो, इसी अनुसार सुनिश्चित किया गया है।

प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक का निर्माण तथा सम्पादन कार्य कोरोना संक्रमण काल के उत्तरार्द्ध में कठिन दौर में अथक परिश्रम के साथ सम्पन्न हुआ है संकलन को पुस्तक रूप में प्रकाशित करने में राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली ने महती भूमिका का निर्वाह किया है जो इस प्रस्तुत संकलन पाठ्यपुस्तक में परिलक्षित भी है। इसके लिए उनके प्रति आत्मीय आभार हम उत्सुक है, सभी सुधीजनों की प्रतिक्रियाओं के लिए...

—सम्पादक

भूमिका प्रकाशन